हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

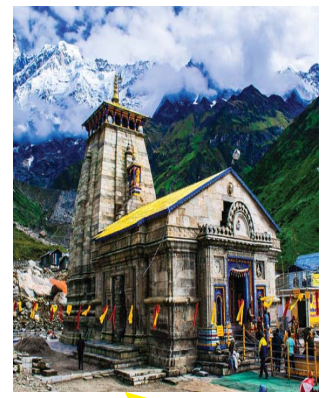

वर्ष:5 अंक:08 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, रविवार, 11 जनवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 6 वेब पोर्टलों का किया शुभारंभ, राजस्व सेवाओं का डिजिटलीकरण

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में राजस्व परिषद द्वारा विकसित राजस्व विभाग के 6 महत्वपूर्ण वेब पोर्टलों का शुभारंभ किया। इन पोर्टलों में ई-भूलेख (अपडेटेड वर्जन), भू-नक्शा, भूलेख अंश, भू-अनुमति, एग्री लोन तथा ई-वसूली (ई-आरसीएस) पोर्टल शामिल हैं। इस पहल से अब आमजन को घर बैठे मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से सत्यापित खतौनी सहित विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया की परिकल्पना के अनुरूप विज्ञान, आईटी और एआई के माध्यम से जनसुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। नए वेब पोर्टलों के शुभारंभ से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी, उनका समय बचेगा और उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'सरलीकरण, समाधान और निस्तारण' के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि अब भूमि अभिलेखों से संबंधित सेवाओं, विशेषकर खतौनी, को तहसील कार्यालय आने के बजाय ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से सत्यापित प्रति के रूप में प्राप्त किया जा सकेगा। साथ ही भूमि उपयोग परिवर्तन, उद्योग एवं कृषि प्रयोजनों हेतु भूमि अनुमति की प्रक्रिया भी पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है। भू-नक्शा पोर्टल के माध्यम से कैडस्ट्रल मैप को सार्वजनिक डोमेन में निःशुल्क देखने की

सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि 6 वेब एप्लीकेशन का नवीन संस्करण आधुनिक तकनीकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ेगी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ-साथ ईज ऑफ लिविंग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव राजस्व एस.एन. पांडेय, आयुक्त राजस्व परिषद रंजना राजगुरु सहित राज्यभर के जिलाधिकारी, मंडल आयुक्त एवं तहसील स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

जन-जन की सरकार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल से जनता तक पहुँचा सुशासन

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखण्ड सरकार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के माध्यम से सुशासन को जमीन पर उतारने की एक प्रभावी पहल की है। 17 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर में संचालित इस अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को

सीधे जनता तक पहुँचाना तथा जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

45 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी 13 जनपदों में न्याय पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर पर बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और अनेक मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया जा रहा है। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के तहत नागरिकों को प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता योजनाओं, रोजगार और आजीविका से जुड़ी सेवाओं का लाभ सीधे उनके क्षेत्र में मिल रहा है। अब तक लाखों लोग इस पहल से लाभान्वित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं भी कई स्थानों पर शिविरों का निरीक्षण कर जनता से संवाद कर रहे हैं, जबकि सीएम कार्यालय स्तर से अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। यह पहल संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन का उदाहरण बनकर उभरी है, जिससे शासन और जनता के बीच विश्वास और मजबूत हुआ है।

उत्तराखण्ड ने मजबूती से रखा अपना पक्ष, केंद्रीय बजट 2026-27 की प्री-बजट बैठक

पथ प्रवाह, देहरादून/नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट 2026-27 के निर्माण की प्रक्रिया के तहत केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में आयोजित प्री-बजट परामर्श बैठक में उत्तराखण्ड ने अपनी विकास संबंधी प्राथमिकताओं को प्रभावी और तथ्यपरक ढंग से केंद्र सरकार के समक्ष रखा। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने भाग लेते हुए राज्य की भौगोलिक, पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं को केंद्र में रखकर एक विस्तृत मेमोरेंडम प्रस्तुत किया।

उत्तराखण्ड ने हिमालयी राज्य होने के नाते अपनी विषम भौगोलिक परिस्थितियों, पारिस्थितिक संवेदनशीलता और राष्ट्र को प्रदान की जा रही महत्वपूर्ण इको-सिस्टम सेवाओं का उल्लेख करते हुए विशेष सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में पर्वतीय एवं सीमांत क्षेत्रों के संतुलित विकास, रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने, आधारभूत अवसंरचना को मजबूत करने, पर्यावरण संरक्षण तथा राज्य को क्लाइमेट रेजिलिएंट बनाने से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।

राज्य सरकार ने यह भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। केंद्रीय करों में राज्यों को समय पर और अपेक्षाकृत अधिक अंश मिलने से उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्यों को विकास योजनाओं को गति देने में सहायता मिली है। विशेष रूप से 'स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट' को उत्तराखण्ड के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसके माध्यम से राज्य में पूंजीगत व्यय में हुई वृद्धि का उल्लेख किया गया।

बैठक में राज्य सरकार द्वारा सुशासन, जनकल्याण और सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन को प्राथमिकता देने की बात भी रखी गई। सतत विकास लक्ष्यों (स्डतह्य) में उत्तराखण्ड का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना राज्य के निरंतर प्रयासों और प्रभावी नीतियों का परिणाम बताया गया। सरकार पर्यावरण संरक्षण, मानव संसाधन विकास तथा आधारभूत ढांचे के विकास और अनुरक्षण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

हिमालयी क्षेत्र में विकास की अधिक लागत, बिखरी हुई बसावट और प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को ध्यान में रखते हुए केंद्र-राज्य समन्वय को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। राज्य ने स्पष्ट किया कि पर्वतीय राज्यों की चुनौतियां मैदानी राज्यों से भिन्न हैं, जिसके अनुरूप नीतिगत और वित्तीय सहयोग जरूरी है।

प्री-बजट परामर्श में उत्तराखण्ड की प्रमुख मांगें

बैठक के दौरान उत्तराखण्ड ने पूंजीगत निवेश सहायता योजना को निरंतर जारी रखने, सतत पर्यटन के लिए नई केंद्र पोषित योजना, भू-जल संरक्षण हेतु विशेष अनुदान, मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिए कृषि सुरक्षा योजनाएं, स्टेट डेटा सेंटर्स के सुदृढ़ीकरण, रेल नेटवर्क विस्तार, जल जीवन मिशन के अनुरक्षण को केंद्र पोषित योजना में शामिल करने, शहरी जल जीवन मिशन के लिए वित्तीय प्रावधान, जल विद्युत परियोजनाओं के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग, आपदा पुनर्निर्माण हेतु स्डतह्य से पूर्ण सहायता, वृद्धावस्था पेंशन और आंगनवाड़ी कर्मियों के मानदेय में वृद्धि तथा आगामी कुंभ आयोजन के लिए विशेष वित्तीय प्रावधान जैसी महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड देश का 'वॉटर टावर' है और राष्ट्र को अमूल्य इको-सिस्टम सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 उत्तराखण्ड की विकास यात्रा को नई गति देगा। यह बजट राज्य को क्लाइमेट रेजिलिएंट बनाने, सीमावर्ती और पर्वतीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं मजबूत करने तथा विकसित भारत ञ्च2047 के संकल्प में उत्तराखण्ड की भूमिका को और अधिक सशक्त करेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने की भेंट

पथ प्रवाह, नई दिल्ली। हरिद्वार के सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उन्हें रिलेशनशिप काउन्सलिंग पर आधारित पुस्तक 'प्री-वेडिंग काउन्सलिंग जागरूकता ही समाधान' पुस्तक की प्रति भेंट की। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि यह पुस्तक आज के तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश में वैवाहिक जीवन को लेकर जागरूकता बढ़ाने, आपसी संवाद को मजबूत करने तथा भावनात्मक संतुलन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक विशेष रूप से युवा पीढ़ी को जिम्मेदार, संवेदनशील एवं सशक्त दांपत्य जीवन की ओर मार्गदर्शन प्रदान करती है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि देवभूमि विकास संस्थान द्वारा प्री-वेडिंग काउन्सलिंग विषय पर निरंतर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। श्री रावत संस्थान के संरक्षक के रूप में मार्गदर्शन प्रदान करते रहते हैं। संस्थान द्वारा वर्षों से सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें वृक्षारोपण, स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, नेत्रदान-देहदान जागरूकता, नदियों के पुनर्जीवन के प्रयास, स्वच्छता अभियान सहित अन्य जनहितकारी गतिविधियाँ शामिल हैं। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देवभूमि विकास संस्थान द्वारा किए जा रहे सामाजिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्थान को भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ समाजहित में कार्य करते रहने की शुभकामनाएं दीं।

एक नजर

स्कूटी से स्मैक तस्करी करते नशा तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री उतराखण्ड के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान'' के अन्तर्गत उनके मिशन को साकार करने हेतु एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जा रही है। इसी अभियान के तहत ANTF व थाना बहादराबाद की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए चैकिंग के दौरान निर्माणाधीन फ्लाईओवर बहादराबाद से अभियुक्त गुफरान पुत्र गफ्फार निवासी नगला इमरती कोतवाली सिविल लाइन रुडकी जिला हरिद्वार को 26 ग्राम अवैध स्मैक व 01 इलैक्ट्रानिक तराजू के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिस स्कूटी से वह नशे की सप्लाई कर रहा था उसे भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

नशा तस्कर 50 पैकेट देशी शराब के साथ दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिडकुल पुलिस द्वारा रावली महदूद क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक तस्कर को अवैध देशी शराब के साथ दबोचा गया। आरोपितत के कब्जे से 50 पैकेट देशी शराब (माल्टा मार्का) बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध थाना सिडकुल पर मुकदमा अपराध संख्या 11/26, धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अशोक पुत्र रामचंद्र निवासी सितारगंज, थाना सितारगंज, जनपद उधम सिंह नगर है वह वर्तमान में रावली महदूद में तेजपाल के मकान में किराये पर रह रहा है।

हरिद्वार में नशे के अवैध करोबार के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, विधायक के खिलाफ गुस्सा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना के नेतृत्व में विधायक मदन कौशिक के कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। पुलिस द्वारा रोकने पर कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और प्रदर्शन करने लगे। बाद में पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की भी हुई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरिद्वार में फल-फूल रहे नशे के अवैध कारोबार को लेकर सरकार और स्थानीय विधायक पर सीधा हमला बोला है। आरोप है कि क्षेत्र में शराब ही नहीं, बल्कि नशीले इंजेक्शन और अन्य मादक पदार्थ खुलेआम बेचे जा रहे हैं, और इस पूरे नेटवर्क को राजनीतिक संरक्षण हासिल है। युवक की मौत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा विधायक मदन कौशिक के आवास का घेराव करने पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ एक मौत नहीं, बल्कि नशे के ज़रिये युवाओं को खत्म करने की साजिश है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि जब दूसरे देशों में नशे की मामूली मात्रा पर कड़ी सज़ा दी जाती है, तो हरिद्वार में नशे का कारोबार बेखौफ कैसे चल रहा है। वहीं पुलिस पूरे मामले में जांच की बात कह रही है।

रील और रियल लाइफ में अंतर समझें युवा : सिविल जज सिमरनजीत कौर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, हरिद्वार में प्रेरणादायी वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर वाद-विवाद, भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार की सचिव एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) सिमरनजीत कौर ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल आध्यात्मिक संत ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के महान प्रेरक थे। उन्होंने युवाओं के भीतर राष्ट्रभक्ति और आत्मविश्वास का संचार किया। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को विज्ञान, तकनीक और आधुनिक ज्ञान से जुड़कर देश के विकास में योगदान देने का संदेश दिया। श्रीमती सिमरनजीत कौर ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों की जानकारी देते हुए युवाओं से कानून के प्रति सजग रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि हमें विवेकानंद जी के आदर्शों को अपनाना है तो कानून का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने युवाओं को रील और रियल लाइफ में अंतर समझने की सलाह देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर समय नष्ट करने के बजाय आत्मविकास और लक्ष्य प्राप्ति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने नशे से दूर रहने और अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालन पर भी बल दिया। रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के सचिव स्वामी दयामूर्त्यानन्द महाराज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार हर युग में प्रासंगिक हैं। यदि युवा उनके जीवन से सत्य, निर्भयता और आत्मविश्वास जैसे मूल्यों को अपनाएं तो उनका जीवन सफल हो सकता है। रामकृष्ण मिशन चंडीगढ़ से पधारे स्वामी भीतिहरानन्द महाराज ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी रोचक घटनाएं साझा कीं। देहरादून से आए वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक पुंडीर ने विद्यार्थियों को निर्भय होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में महर्षि विद्या मंदिर, आचार्य कुलम और ज्ञानदीप अकादमी के छात्रों ने गीत, नाटक और भाषण के माध्यम से स्वामी विवेकानंद के विचारों को जीवंत किया। भाषण प्रतियोगिता में आद्रिका सिंह, आरव गर्ग और कुमार गौतम को पुरस्कृत किया गया। जिले के प्रथम मेयर मनोज गर्ग ने समाज और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मचारी नबोनील ने किया। इस अवसर पर शिक्षाविद, अधिवक्ता, ट्रस्टी, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने कंपनी के कर्मचारियों को किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर चलाया जा रहा यातायात जागरूकता अभियान लगातार जारी है। सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा, यातायात पुलिस हरिद्वार की जन-जागरूकता मुहिम 'मिशन सेफ हरिद्वार' के अंतर्गत Synokem Lifesciences Pvt कंपनी पहुंची। यहां टीम ने कर्मचारियों को सुरक्षित सफर का संकल्प दिलाया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशन में हरिद्वार यातायात पुलिस द्वारा 'सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा माह' के अंतर्गत यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसआई (CPU) पवन नौटियाल एवं एएसआई प्रदीप कुमार सिंह द्वारा Synokem Lifesciences Pvt. Ltd. (Near Genus Plant) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कर्मचारियों को ऑडियो-वीडियो माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने के महत्व को बताया गया। कोहरे के समय रिफ्लेक्टर/रिफ्लेक्टिव बेल्ट के प्रयोग पर जोर दिया गया। निर्धारित यातायात नियमों के अनुरूप सुरक्षित वाहन संचालन पर फोकस किया गया। सड़क पर स्वयं एवं अन्य राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय बताए गए। ट्रैफिक साइन, ट्रैफिक सिग्नल, गोल्डन ऑवर, गुड सेमेरिटन (Good Samaritan) कानून सहित अन्य महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा विषय पर जानकारी उपलब्ध करायी गई। कार्यक्रम के अंत में Synokem Lifesciences Pvt. Ltd. के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दी गई जानकारी को अत्यंत उपयोगी एवं जीवन रक्षक बताते हुए यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के आयोजन के लिए हरिद्वार यातायात पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया गया।

बनेंगे तीन नए वेंडिंग जोन, फेरी समिति की बैठक में सात प्रस्तावों पर सहमति

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगरीय फेरी नीति नियमावली के तहत नगरायुक्त नंदन कुमार की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में फेरी समिति की बैठक हुई। इस बैठक में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों का प्रतिनिधित्व फेरी समिति के सदस्य संजय चोपड़ा ने किया। बैठक में फेरी समिति के सदस्यों की सात मांगों पर सहमति बनी है।

आगामी कुंभ मेला 2027 में नगर निगम में पंजीकृत सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को स्वतंत्र कारोबार की अनुमति के साथ अलग से वेडिंग जोन बनाए जाने की मांग को बैठक में प्रमुखता से दोहराया गया। आगामी योजना में तीन नई जगह उत्तरी हरिद्वार, ज्वालापुर, दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग के नजदीक वेंडिंग जोन बनाए जाने के निर्देश भी नगर आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए। नगरायुक्त नंदन कुमार ने कहा कि आगामी कुंभ मेला 2027 में नगर निगम में पंजीकृत सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को शहरी क्षेत्र व मेला क्षेत्र में किस प्रकार से व्यवस्थित किया जाए इसके लिए नियम और योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छता मिशन में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को जागरुक कर स्वच्छता मिशन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ धर्मनगरी को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य को पूर्ण किए जाने के लिए संयुक्त समितियां का गठन भी किया जाएगा। फेरी समिति सदस्य व लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने बताया कि वर्ष 2026 की फेरी समिति की प्रथम बैठक में स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी प्रतिनिधि, नगर निगम प्रशासन और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। सात प्रस्तावों पर बैठक में आपसी सहमति बनी है। नगर निगम प्रशासन द्वारा तीन नए वेंडिंग जोन आगामी योजना में सम्मिलित किए गए हैं। फेरी समिति की बैठक में एसएनए महेंद्र यादव, एसएनए श्याम सुंदर प्रसाद, कर निर्धारण अधिकारी सुनीता सक्सेना, सिटी मेंशन मैनेजर अंकित सिंह रमोला और ?अन्य विभागों के अधिकारियों के अलावा फेरी समिति सदस्य राजकुमार कमल सिंह, तस्लीम अहमद, सुमन गुप्ता, आशा कश्यप आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार शहर में बिछेगी 206 किमी सीवरेज लाइन, 2028 तक होना है पूरा कार्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी में सीवर लाइन बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। शहर में 206 किमी सीवरेज लाइन बिछायी जानी है, यह कार्य 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रस्तावित कार्य में से करीब 150 किमी पर कार्य किया जा रहा है।

प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा) मीनाक्षी मित्तल ने बताया कि के0एफ0डब्ल्यू0 जर्मन विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम 'गंगा बेसिन राज्यों में पर्यावरण अनुकूल शहरी विकास (गंगा पुनर्जीवन) के अंतर्गत हरिद्वार नगर एवं इसके सैटेलाइट क्षेत्रों में शहरी स्वच्छता अवसंरचना के सुदृढीकरण हेतु कुल 206 किमी सीवर लाईनों का प्रस्ताव किया गया है। प्रस्तावित कुल लंबाई में से लगभग 150 किमी सीवर लाईन कार्य जिसमें पैकेज 1 हरिपुरकंला, भूपतवाला, भीमगौड़ा, हर की पौड़ी से रेलवे स्टेशन, ब्रहमपुरी, पुराना औद्योगिक क्षेत्र आदि के अन्तर्गत 70 किमी0 एवं पैकेज-2 कनखल, द्वारिका विहार, राजा गार्डन, गणपति धाम, जगजीतपुर आदि के अन्तर्गत 80 किमी0 वर्तमान में प्रगति पर हैं, शेष 56 किमी सीवर लाईन के कार्य निविदा प्रक्रिया में हैं। सम्पूर्ण परियोजना वर्ष 2028

तक पूर्ण की जानी प्रस्तावित है।

उन्होंने अवगत कराया कि परियोजना के पूर्ण होने पर लगभग 15,000 घरेलू सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे लगभग 3.5 लाख स्थायी जनसंख्या को लाभ मिलने की अपेक्षा है।

इस कार्यक्रम से सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सतत अपशिष्ट जल प्रबंधन सुनिश्चित होगा जिसके परिणामस्वरूप जनस्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार, बेहत्तर जीवन-स्तर, पर्यावरण संरक्षण में वृद्धि तथा गंगा नदी के पुनर्जीवन में योगदान मिलेगा। यह परियोजना भूजल प्रदूषण को कम करने और आस-पास के क्षेत्रों की समग्र स्वच्छता में सुधार लाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

150 किमी लाइनों पर चल रहा कार्य

वर्तमान में सम्पादित किए जा रहे सीवरेज कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, 150 किमी सीवर लाईन के सापेक्ष अब तक 75 किमी सीवर लाईन जिसमें पैकेज-1 के अन्तर्गत 40 किमी0 एवं पैकेज 2 के अन्तर्गत 35 किमी0 बिछाई जा चुकी है एवं पैकेज-1 के अन्तर्गत 21 किमी0 तथा पैकेज-2 के अन्तर्गत 10 किमी0 सड़क पुनर्निर्माण का कार्य किया जा चुका है, जो कि पूर्ण गुणवत्ता, मानकों एवं जन मानस की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए किये जा रहे हैं। पैकेज-1 एवं पैकेज 2 के कार्य जून 2026 तक पूर्ण किये जाने प्रस्तावित हैं।

स्टेशन रोड पर रात में हो रहा कार्य

उन्होंने अवगत कराया कि हर की पैड़ी से रेलवे स्टेशन तक के क्षेत्र में स्थानीय जनमानस, श्रृद्धालुओं एवं वाहनों का आवागमन दिन भर अत्यधिक मात्रा में रहता है साथ ही इन क्षेत्रों की सड़कों पर अत्यधिक मात्रा में पब्लिक यूटिलीटिज भी है। स्थानीय जनमानस, श्रृद्धालुओं एवं यातायात की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीवर लाईन बिछाने का कार्य दिन में न कराते हुए रात्री के समय ही कार्य कराये जा रहे है।

तेजी से संपन्न कराया जा रहा कार्य

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सतत शहरी अवसंरचना विकास, दीर्घकालिक सामुदायिक लाभ तथा गंगा नदी के पुनर्जीवन के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि आम जनमानस को परेशानी न हो इसको ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देशन में सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य तत्परता से किया जा रहा है।

एक नजर

सट्टेबाजों पर शिकंजा, सट्टे की खाई बड़ी करते एक सटोरी पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना सिडकुल पुलिस ने सट्टेबाजों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। इसी क्रम में थाना सिडकुल पुलिस ने सट्टे की खाई बड़ी करते हुए एक व्यक्ति को सट्टा पर्ची के साथ पकड़कर हिरासत में लिया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी का नाम दीपू यादव पुत्र घसीटे लाल निवासी बालमो कचोना, हरदोई (उत्तर प्रदेश) है। वर्तमान में आरोपी शनि मंदिर के पास रोशनाबाद में रह रहा था। पुलिस टीम में कांस्टेबल मनीष और कांस्टेबल वीरेंद्र चौहान शामिल रहे।

चाइनीज मांझे की धरपकड़ के लिए ज्वालापुर पुलिस ने की छापेमारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शनिवार को कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में पुलिस ने पतंगों की दुकानों पर छापेमारी की। दुकानदारों से पूछताछ कर सख्त चेतावनी दी गई कि वह अपने यहां चाइनीज मांझा न बेचे। पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दुकानदारों को नोटिस भी दिये गए। दुकानदारों को प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पूर्णतः बंद रखने के निर्देश दिये गए। पुलिस की इस कार्रवाई से पतंग और मांझा बेचने वाले दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। बताया जा रहा है कि प्रतिबंध के बावजूद कुछ दुकानदार चोरी छिपे प्रतिबंधित मांझे की बिक्री कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि कुछ दुकानदार चोरी छिपे चाइनीज मांझे का कारोबार कर रहे हैं, यही वजह है कि बच्चों के हाथों में यह मांझा पहुंच रहा है।

शनिवार को चेकिंग अभियान में एसएसआई खेमेंद्र गंगवार के साथ एसआई सोनल रावत, एएसआई राकेश कुमार, कांस्टेबल अमित गौड़, राजेश बिष्ट, आलोक कुमार, कपिल कुमार आदि शामिल रहे। कोतवाली ज्वालापुर के एसएसआई खेमेंद्र गंगवार ने बताया कि आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जानलेवा मांझे के विरूद्ध अभियान जारी रहेगा। यदि किसी के संज्ञान में आता है कि दुकानदार प्रतिबंधित मांझा बेच रहा है तो उसकी सूचना पुलिस को जरूर दें, पुलिस ऐसे दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में लगेगा नगला इमरती में बहुउद्देशीय शिविर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के अंतर्गत विभिन्न न्याय पंचायतों में कैम्प लगाये जाने के जारी रोस्टर के अनुसार दिनांक 12 जनवरी, 2026 को आयोजित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' के कार्यक्रम प्रभारी मंत्री जनपद हरिद्वार सतपाल महाराज, की अध्यक्षता में ' विकास खण्ड नारसन के तहसील रुड़की के अंतर्गत न्याय पंचायत ढंढेरा के ग्राम पंचायत नगला इमरती(गौतम फार्म हाउस) में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को स्वयं उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं सम्बन्धित ब्लाक एवं तहसील स्तर के अधिकारियों को अपने -अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार प्रचार के निर्देश दिए गए हैं जिससे कि अधिक से अधिक ग्रामीण बहुउद्देशीय शिविर में पहुंच कर इसका लाभ लें सकें।

भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर के खिलाफ हरिद्वार में एक और मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भाजपा से निष्कासित ज्वालापुर के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की मुश्किलें अभी कम होने का नाम नहीं ले रही है। ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने सुरेश राठौर के खिलाफ धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक और मुकदमा दर्ज किया है। यह मुकदमा कोर्ट के आदेश पर दर्ज किया गया है। अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर वायरल हुए ऑडियो के बाद सुरेश राठौर के खिलाफ हरिद्वार और देहरादून में चार मुकदमे दर्ज हैं। इन मामलों में गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट की रोक लगी है। पूर्व विधायक पर आरोप है कि वह एक परिचित की गाड़ी मांगकर ले गए थे, जिसे वापस मांगने पर उन्होंने गाली गलौज और जान से मारने की धमकी दी। ऊपर से

गाड़ी भी वापस नहीं लौटाई है। हरिलोक कॉलोनी निवासी राजेश कुमार गौतम ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पूर्व विधायक सुरेश राठौर से उनके पुराने संबंध थे। राजेश के अनुसार, कुछ समय पहले सुरेश राठौर उनसे उनकी गाड़ी मांगकर ले गए थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब गाड़ी वापस नहीं की गई, तो राजेश ने अपनी गाड़ी की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब उन्होंने बार बार अपनी गाड़ी वापस मांगी, तो पूर्व विधायक टालमटोल करने लगे।

आरोप है कि सुरेश राठौर ने गाड़ी वापस करने से साफ इंकार कर दिया और विरोध करने पर राजेश कुमार को गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पहले पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई न होने पर उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अवैध शराब की बिक्री में संलिप्त दो नशा तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

थाना सिडकुल पुलिस ने एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने अवैध शराब बरामद की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा जनपद हरिद्वार में अवैध देशी/अंग्रेजी शराब, स्मैक, चरस, गांजा आदि की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में जनपद के समस्त कोतवाली प्रभारी निरीक्षक/थाना अध्यक्षों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त आदेशों के अनुपालन में सिडकुल पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में सिडकुल पुलिस द्वारा 02 तस्करों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

हिरासत में लिए गए आरोपियों के विरुद्ध थाना सिडकुल पर मुकदमा अपराध संख्या 08/2026 एवं 09/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आरोपियों के नाम जीवन प्रसाद पुत्र स्वर्गीय मुकुल देव शर्मा निवासी 151/1 सिविल लाइन, पंचशील काली मंदिर, कोतवाली रुड़की, जनपद हरिद्वार और सिद्धार्थ पुत्र सुदीश कुमार निवासी पदमपुर, वार्ड नंबर 10, जिला सहरसा, बिहार है। वर्तमान में दोनों सिडकुल थाना क्षेत्र में किराये पर रह रहे हैं। इनके पास से 105 पाउच देशी शराब के बरामद हुए हैं।

संपादकीय

विश्व तक धर्म, अध्यात्म और समरसता का संदेश

हरिद्वार केवल तीर्थ नगरी ही नहीं, बल्कि सनातन धर्म की अखाड़ा परंपरा का जीवंत केंद्र भी है। गंगा के पावन तट पर बसी यह संत नगरी सदियों से संतों, महात्माओं और संन्यासियों की साधना, तप और धर्म प्रचार की भूमि रही है। यहां वर्ष भर होने वाले धार्मिक आयोजन, पर्व, अनुष्ठान और अखाड़ों की गतिविधियां न केवल भारत की आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाती हैं, बल्कि समूचे विश्व को धर्म, शांति और मानवता का संदेश भी देती हैं।

हरिद्वार की धार्मिक पहचान में संतों के समस्त 13 अखाड़ों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये अखाड़े सनातन धर्म की रक्षा, संस्कृति के संरक्षण और समाज में नैतिक मूल्यों के प्रचार के केंद्र रहे हैं। जूना अखाड़ा, निरंजनी अखाड़ा, महानिर्वाणी अखाड़ा, निर्वाणी अखाड़ा, अग्नि अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा, अटल अखाड़ा, बड़ा उदासीन अखाड़ा, नया उदासीन अखाड़ा, निर्मल अखाड़ा, पंचायती अखाड़ा (उदासीन परंपरा) और बैरागी अखाड़े–सभी मिलकर अखाड़ा परंपरा को एक सशक्त स्वरूप प्रदान करते हैं।

कुंभ और अर्द्धकुंभ जैसे महापर्वों में अखाड़ों की पेशवाई और शाही स्नान केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की शक्ति, अनुशासन और एकता का प्रतीक होते हैं। इन अवसरों पर अखाड़ों के नागा साधु, संन्यासी और संत समाज तप, त्याग और ब्रह्मचर्य का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। हरिद्वार में वर्ष भर अखाड़ों द्वारा दीक्षा समारोह, धर्मसभाएं, प्रवचन, यज्ञ और सामाजिक सेवा के कार्य आयोजित किए जाते हैं, जिनसे समाज को दिशा मिलती है।

हरिद्वार की विशेषता यह है कि यहां धर्म किसी एक पंथ या संप्रदाय तक सीमित नहीं है। शैव, वैष्णव, उदासीन, बैरागी और संत परंपरा–इद्यद्य एक ही धारा में प्रवाहित होती हैं। आद्य शंकराचार्य से लेकर रामानन्दाचार्य, कबीर, तुलसीदास और गुरु नानक देव जैसे महापुरुषों के विचारों ने इस भूमि को आध्यात्मिक समरसता का केंद्र बनाया। अखाड़े केवल साधना स्थल ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं, जिन्होंने समय-समय पर समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई है। आज वैश्विक परिदृश्य में जब भौतिकता, तनाव और हिंसा मानव जीवन को प्रभावित कर रही है, तब हरिद्वार और यहां की अखाड़ा परंपरा का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यहां आने वाले विदेशी श्रद्धालु और साधक योग, ध्यान और भारतीय दर्शन के माध्यम से जीवन की शांति और संतुलन खोजते हैं। अखाड़ों के संत उन्हें यह सिखाते हैं कि धर्म का वास्तविक अर्थ आत्मसंयम, करुणा और सेवा है। हरिद्वार में होने वाले धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता और राष्ट्रीय चेतना को भी मजबूत करते हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र और देश की सीमाओं से ऊपर उठकर श्रद्धालु एक ही गंगा में स्नान करते हैं, एक ही आरती में शामिल होते हैं और अखाड़ों के संतों से समान संदेश ग्रहण करते हैं–वसुधैव कुटुंबकम। यही भावना हरिद्वार को वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित करती है। हरिद्वार की संत परंपरा और समस्त 13 अखाड़ों की सक्रिय भूमिका सनातन धर्म की रीढ़ है। वर्ष भर होने वाले धार्मिक आयोजन न केवल आस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि समाज, राष्ट्र और विश्व को शांति, सहअस्तित्व और मानव कल्याण का मार्ग भी दिखाते हैं। संत नगरी हरिद्वार आज भी उसी दिव्य चेतना के साथ खड़ी है, जो युगों से मानवता को आलोकित करती आ रही है।

खामोश अपराध के खिलाफ आवाज़: मानव तस्करी जागरूकता दिवस

सुनील कुमार महला

11 जनवरी को राष्ट्रीय मानव तस्करी विरोधी दिवस (नेशनल एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग डे) या राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जैसा कि मानव तस्करी आज दुनिया भर में एक गंभीर व बड़ी समस्या बनकर उभरी है।यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि तस्करी का मतलब सिर्फ और सिर्फ परिवहन से नहीं है। वास्तव में यह एक बहुत बड़ा भ्रम है कि तस्करी का मतलब व्यक्ति को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना है। असल में, तस्करी का मुख्य आधार शोषण है; पीड़ित अपने ही घर या शहर में भी तस्करी का शिकार हो सकता है। उल्लेखनीय है कि मानव तस्करी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है (नशीली दवाओं के बाद), जिससे हर साल लगभग 150 डॉलर बिलियन का अवैध लाभ कमाया जाता है। हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास और उत्पत्ति या शुरूआत की बात करें तो इस दिवस की आधिकारिक शुरुआत वर्ष 2007 में अमेरिका में हुई थी,जब अमेरिकी सीनेट ने 11 जनवरी को राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस के रूप में नामित करने का एक प्रस्ताव पारित किया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में इसे राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। दरअसल, वर्ष 2010 में, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पूरे जनवरी को राष्ट्रीय दासता एवं मानव तस्करी रोकथाम माह घोषित किया था, जिसके तहत यह दिवस जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। हालांकि, इस दिवस को मनाने की शुरुआत अमेरिका से हुई थी, लेकिन आज यह एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है।संयुक्त राष्ट्र द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार, किसी व्यक्ति को डराकर, बलपूर्वक या दोषपूर्ण तरीके से कोई कार्य करवाना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने या बंधक बनाकर रखने जैसे कृत्य तस्करी की श्रेणी में आते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि 11 जनवरी को अक्सर वियर ब्लू डे के रूप में भी मनाया जाता है, जिसमें लोग नीले रंग के कपड़े पहनकर पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाते हैं। यहां गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस मनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो संयुक्त राष्ट्र ने 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस (वर्ल्ड डे अगेंस्ट ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स) घोषित किया है, जो वैश्विक स्तर पर इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करता है।मानव तस्करी के पीछे कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके पीछे प्रमुख कारण क्रमशः गरीबी और अशिक्षा, बंधुआ मज़दूरी, देह व्यापार, सामाजिक असमानता, क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन, बेहतर जीवन की लालसा है। सामाजिक सुरक्षा की चिंता, महानगरों में घरेलू कामों के लिये लड़कियों की तस्करी तथा चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिये बच्चों की तस्करी भी मानव तस्करी के प्रमुख कारण हैं। हाल फिलहाल, क्या यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील नहीं है कि आज महिलाएँ और लड़कियाँ मानव तस्करी से सर्वाधिक पीड़ित हैं और इनमें से अधिकांश की तस्करी यौन शोषण के लिये की जाती है।वास्तव में, यह एक ऐसा अपराध है जिसमें लोगों को उनके शोषण के लिये खरीदा और बेचा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि मानव तस्करी को रोकने के क्रम में यह दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के प्रति आम लोगों में जागरूकता बढ़ाना, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना तथा इस अपराध के विरुद्ध समाज, पीड़ितों के पुनर्वास के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना तथा प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मानव तस्करी के खिलाफ एकजुट करना है।सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) के खिलाफ चेतना और जनजागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। आज मानव तस्करी करके बच्चों को जबरन श्रम, यौन शोषण, बाल श्रम में धकेल दिया जाता है,जो बहुत ही दुखद है। पाठकों को बताता चलूं कि मानव तस्करी में लोगों को धोखे, बल, या जबरन तरीके से किसी अन्य स्थान पर ले जाकर जबर्दस्ती श्रम, यौन शोषण, अंगों की तस्करी या अन्य अनैतिक कामों के लिए मजबूर किया जाता है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस मानव तस्करी जैसे अपराध के गंभीर प्रभावों के बारे में लोगों को सचेत या जागरूक करता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि नेशनल ह्यूमन ट्रैफिकिंग अवेयरनेस डे की शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई थी, जहां 11 जनवरी को नेशनल स्लेवरी एंड ह्यूमन ट्रैफिकिंग प्रिवेंशन मंथ के रूप में इसे घोषित किया गया था और इसके बाद यह दिवस हर साल 11 जनवरी को मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता के रूप में विश्वभर में मनाया जाने लगा।

हमारे देश में भी इस दिवस को जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाकर इस दिन अनेक सामाजिक, शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यक्रम (सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा) आयोजित किये जाते हैं। वैश्विक परिप्रेक्ष्य की बात करें तो आज दुनिया भर में लगभग 30 मिलियन लोग आधुनिक गुलामी/मानव तस्करी की शिकार हैं। भारत से सम्बंधित आंकड़ों की यदि हम यहां पर बात करें तो हमारे देश में साल 2018-2022 के दौरान लगभग 10,655 मानव तस्करी मामले दर्ज किए गए थे। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत में लगभग 6,036 पीड़ितों की पहचान हुई, जिनमें से 2,878 बच्चे शामिल थे।इनमें 1,059 लड़कियाँ थीं, जो बाल तस्करी का हिस्सा थी।एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार बिहार में पिछले छह महीनों में 100 से अधिक लड़कियों के लापता होने के मामले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचे हैं, जो मानव तस्करी गिरोह की संभावित सक्रियता को दर्शाते हैं।इसी प्रकार से आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर झारखंड से आए 12 बच्चों को संभावित मानव तस्करी से बचाया गया था। भारत में स्थिति की बात करें तो ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स 2023 के अनुसार, भारत में लगभग 1.1 करोड़ लोग आधुनिक गुलामी की स्थितियों में रह रहे हैं। भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, तस्करी के मामलों में जबरन श्रम और यौन शोषण सबसे प्रमुख कारण हैं।एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार दुनिया भर में लगभग 5 करोड़ लोग आधुनिक गुलामी के शिकार हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, तस्करी के हर 4 पीड़ितों में से 1 बच्चा होता है। गौरतलब है कि ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स 2025 के अनुसार दुनिया भर में आधुनिक दासता (मॉडर्न स्लेवरी) एक गंभीर वैश्विक समस्या बनी हुई है। इस इंडेक्स को वॉक फ्री फाउंडेशन द्वारा तैयार किया जाता है, जिसमें जबरन श्रम, मानव तस्करी, ऋण-बंधन, जबरन विवाह और यौन शोषण जैसे शोषण के रूपों को शामिल किया जाता है। 2025 के विश्लेषण में अनुमान है कि विश्व में लगभग 5 करोड़ (50 मिलियन) लोग किसी न किसी रूप में आधुनिक दासता का शिकार हैं। इसमें सबसे अधिक दर उत्तर कोरिया, इरीट्रिया और मॉरिटानिया जैसे देशों में दर्ज की गई है, जबकि दक्षिण सूडान और सोमालिया जैसे देश सबसे अधिक जोखिम वाले देशों में शामिल हैं। भारत की बात करें तो जनसंख्या अधिक होने के कारण हमारे यहां जबरन श्रम, ऋण-बंधुआ मजदूरी और मानव तस्करी के मामले देखने को मिलते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह इंडेक्स सरकारों की नीतियों, कानूनों और पीड़ितों के संरक्षण प्रयासों का भी मूल्यांकन करता है और वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी व आधुनिक दासता के खिलाफ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर देता है। बहरहाल, यह भी एक कड़वा तथ्य है कि तस्करी में पहचाने गए पीड़ितों में से लगभग 70% महिलाएं और लड़कियां होती हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2025 के लिए इस दिवस की थीम-कड़ियों को जोड़ना, समुदायों को मजबूत करना, तस्करी को रोकना रखी गई थी। वास्तव में यह थीम इस बात पर जोर देती है कि मानव तस्करी को केवल कानून से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के सहयोग और जागरूकता से ही खत्म किया जा सकता है।

वैश्विक चिंता का केंद्र बना ग्रीनलैंड

अमित पांडेय

विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य में आर्कटिक क्षेत्र अचानक एक नए भू-रणनीतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। ग्रीनलैंड, जो अब तक केवल बर्फ और वीराने की भूमि समझा जाता था, आज महाशक्तियों की महत्वाकांक्षाओं का केंद्र बन गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड को खरीदने या बलपूर्वक अधिग्रहण करने की संभावना ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गहरी चिंता में डाल दिया है। यह केवल एक भूभाग पर दावा नहीं है, बल्कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद निर्मित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है।

यूरोप ने इस प्रस्ताव का तीखा विरोध किया है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के अधिकारों को सर्वोपरि मानते हुए यूरोपीय नेताओं ने स्पष्ट किया है कि इस द्वीप का भविष्य बाहरी सौदेबाज़ी का विषय नहीं हो सकता। डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने तो यहाँ तक कहा कि यदि अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा करता है तो नाटो का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। यह वक्तव्य बताता है कि ग्रीनलैंड का प्रश्न केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा और सहयोग का प्रश्न है। भूगोल की दृष्टि से ग्रीनलैंड उत्तरी अमेरिका का हिस्सा है, परंतु सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से यूरोप से जुड़ा रहा है। इसकी जनसंख्या मात्र छप्पन हज़ार है, पर क्षेत्रफल इतना विशाल कि यह विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है। यही विशालता इसे आर्कटिक शक्ति संघर्ष का केंद्र बनाती है। रूस ने हाल के वर्षों में अपनी नौसैनिक उपस्थिति को मज़बूत किया है और ग्रीनलैंड, आइसलैंड तथा ब्रिटेन का सामरिक गलियारा–जीआईयूके गैप–नाटो की निगरानी का प्रमुख क्षेत्र बन गया है। ट्रम्प की दृष्टि में ग्रीनलैंड केवल भूगोल नहीं, बल्कि अमेरिकी प्रभुत्व का साधन है। नाटो पर उनकी शंका और यूरोपीय सहयोगियों पर अविश्वास उन्हें इस दिशा में प्रेरित करता है। यदि अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण पा लेता है तो वह आर्कटिक सुरक्षा ढाँचे को अकेले अपने हाथों में ले सकता है। यह यूरोप को हाशिए पर धकेलने और अमेरिका-केंद्रित व्यवस्था बनाने का प्रयास होगा।

आर्थिक दृष्टि से भी ग्रीनलैंड का महत्व असाधारण है। यहाँ दुर्लभ खनिज और ऊर्जा संसाधनों की संभावना है, जो आधुनिक तकनीक और रक्षा उद्योग के लिए अनिवार्य हैं। चीन की आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता कम करने के लिए अमेरिका लगातार नए स्रोत खोज रहा है। ग्रीनलैंड इस रणनीति में दीर्घकालिक विकल्प बन सकता है।

सैन्य दृष्टि से ग्रीनलैंड पहले से ही अमेरिकी योजनाओं का हिस्सा है। पिटुफ़िक स्पेस बेस अमेरिका की मिसाइल चेतावनी और अंतरिक्ष निगरानी प्रणाली का अहम केंद्र है। ट्रम्प द्वारा घोषित 'गोल्डन डोम' रक्षा पहल में भी ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति निर्णायक भूमिका निभा सकती है। इसके अतिरिक्त, ग्रीनलैंड वैज्ञानिक अनुसंधान का भी अद्वितीय स्थल है। यहाँ का वातावरण खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अध्ययन के लिए उपयुक्त है। जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक में नई समुद्री राहें खुल रही हैं, जो वैश्विक व्यापार को बदल सकती हैं। इन मार्गों पर नियंत्रण अमेरिका को समुद्री प्रभुत्व का नया अवसर देगा। परंतु इस महत्वाकांक्षा की कीमत भी भारी है। यदि अमेरिका ग्रीनलैंड को बलपूर्वक अधिग्रहित करता है तो यह यूरोप के साथ संबंधों को गहरे संकट में डाल देगा, नाटो को कमजोर करेगा और आत्मनिर्णय के सिद्धांत को चुनौती देगा। ग्रीनलैंड का प्रश्न केवल संसाधनों या सुरक्षा का नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संप्रभुता की मर्यादा का है। इस प्रकार ग्रीनलैंड आज केवल बर्फ का द्वीप नहीं, बल्कि भविष्य की शक्ति राजनीति का प्रतीक बन गया है। यदि महाशक्तियाँ इसे हथियाने की होड़ में उतरती हैं तो यह आर्कटिक ही नहीं, पूरी विश्व व्यवस्था को नए संकट में डाल सकता है। यही वह क्षण है जब मानवता को यह तय करना होगा कि शक्ति का मार्ग अधिग्रहण है या सहयोग।

भारतीय राजनीति के अमूल्य रत्न थे लाल बहादुर शास्त्री

श्वेता गोयल

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम पुण्यतिथि मना रहे है। पाकिस्तान यात्रा के दौरान 11 जनवरी 1966 की रात मौत हो गई थी। शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पद्चिन्हों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लोक संस्कृति संरक्षण पर विशेष जोर

पथ प्रवाह, टिहरी गढ़वाल।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज छाम, थौलधार में सांस्कृतिक विकास समिति द्वारा आयोजित प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक महोत्सव के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के अंतर्गत पंजीकरण कराने वाले लोगों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भगवान नागराजा की पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का कार्य हो रहा है। अयोध्या में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर तथा बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का भव्य विकास इसका उदाहरण है। राज्य सरकार भी हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में विकसित किया जा रहा है। खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए स्पोर्ट्स अकादमी की स्थापना की जा रही है। टिहरी झील को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग जैसे साहसिक खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। झील के चारों ओर रिंग रोड निर्माण से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने, स्वरोजगार, होम-स्टे, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी योजना और आयुष वेलनेस सेक्टर के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों की सूची में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू की गई है तथा भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है। अंकिता भंडारी प्रकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और न्याय सुनिश्चित किया गया है।

कार्यक्रम में विधायक प्रीतम सिंह पंवार, विधायक किशोर उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

पार्किंग शुल्क न देने पर कार चालक की लापरवाही, कर्मचारी को कुचलकर मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली नगर क्षेत्र अंतर्गत रोड़ी बेलवाला स्थित दीनदयाल पार्किंग में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक घटना सामने आई। 10 जनवरी 2026 को लगभग 13:45 बजे पार्किंग से निकल रही एक वैगन आर कार के चालक ने पार्किंग शुल्क अदा किए बिना बैरियर तोड़ते हुए वाहन भगाने का प्रयास किया। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात पार्किंग कर्मचारी सहदेव सिंह को वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सहदेव सिंह पुत्र बलबीर सिंह, निवासी बोगला बहादराबाद, जनपद हरिद्वार, उम्र 56 वर्ष, गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की सहायता से उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय हरिद्वार पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

घायल को जॉली ग्रांट अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। मृतक के शव को जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है। नगर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि आरोपी वाहन चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। इस हादसे से मृतक के परिवार में शोक की लहर है, वहीं क्षेत्र में भी घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है।

उत्तराखंड बंद को नहीं मिला व्यापक समर्थन, व्यापार व परिवहन सेवाएं रहेंगी सुचारू

पथ प्रवाह, देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर विभिन्न राजनीतिक एवं गैर-राजनीतिक संगठनों द्वारा 11 जनवरी 2026 को उत्तराखंड बंद का आह्वान किया गया है। हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रकरण में सीबीआई जांच की संस्तुति किए जाने के बाद राज्य के विभिन्न व्यापार मंडलों तथा टैक्सी एवं बस यूनियनों ने बंद को समर्थन न देने का निर्णय लिया है। संगठनों का कहना है कि मामले में विधिसम्मत कार्रवाई प्रचलित है, ऐसे में आमजन के दैनिक कार्यों और आवश्यक सेवाओं को प्रभावित करना उचित नहीं है। व्यापारिक संगठनों और परिवहन यूनियनों ने स्पष्ट किया है कि वे अपने प्रतिष्ठान और सेवाएं पूर्ववत सुचारू रूप से संचालित करेंगे। साथ ही, बंद के आह्वान के मद्देनजर यदि कोई व्यक्ति या समूह जबरदस्ती बाजार बंद कराने, वाहनों का संचालन रोकने अथवा कार्यों में बाधा डालने का प्रयास करता है, तो इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है।

इस आशंका के चलते संबंधित संगठनों ने एसएसपी देहरादून से पुलिस सुरक्षा की मांग की है। एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने आमजन से शांति एवं संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार का प्रदर्शन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति जबरदस्ती बाजार बंद कराने, सार्वजनिक परिवहन को रोकने या शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम करने की बात कही है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और जनजीवन सामान्य बना रहे।

फर्जी सोशल मीडिया एकाउंट से अलर्गल पोस्ट, मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अनर्गल चैट और पोस्ट कर झूठे मामलों में फंसाने की साजिश रचने के आरोप में ज्वालापुर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र का है, गुधाल रोड पाण्डेवाला निवासी रोहन शर्मा ने शिकायत कर बताया कि उसका और उसके परिवार का आलोक झां और वरुण झां से लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। आरोप है कि पूर्व में आरोपियों ने उसके परिवार के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत झूठा मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें वह और उसके परिजन जमानत पर हैं।

रोहन शर्मा के मुताबिक अब आरोपियों ने उसका फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर लगातार चैटिंग और आपत्तिजनक पोस्ट की जा रही हैं, ताकि उसके खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र के तहत नए झूठे केस दर्ज कराए जा सकें। उन्होंने दावा है कि उसके वास्तविक इंस्टाग्राम अकाउंट से किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अनर्गल चैट नहीं की गई है। बताया कि 20 मई ज्वालापुर कोतवाली और साइबर सेल उन्होंने शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने कोर्ट की शरण ली। इंस्पेक्टर कुंदन सिंह राणा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत ने 108 एम्बुलेंस सेवा की सशक्त, हर जरूरतमंद को समय पर मदद

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड में 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा को और अधिक सशक्त, आधुनिक व जनहितैषी बनाया जाएगा। इसके लिए एम्बुलेंस के बेड़े में वृद्धि की जाएगी और रिस्पॉन्स टाइम को न्यूनतम स्तर तक लाया जाएगा। प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस व्यवस्था को बेहतर बनाने के दृष्टिगत व्यापक तैयारी पूरी कर ली है। डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि 108 एम्बुलेंस सेवा राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए इसे हर दृष्टि से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैदानी क्षेत्रों में एम्बुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम 13 मिनट तथा पर्वतीय क्षेत्रों में 18 मिनट तय किया गया है, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर जीवन रक्षक सुविधा मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री

धन सिंह रावत ने बताया कि नई निविदा प्रक्रिया के तहत अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित एम्बुलेंस सेवा में शामिल की जाएंगी। साथ ही कॉल सेंटर में अतिरिक्त अनुभवी कार्मिकों की तैनाती की जाएगी, जिससे कॉल रिस्पॉन्स और बेहतर हो सके। उन्होंने प्रत्येक जनपद में तीन-तीन एम्बुलेंस को रिजर्व रखने के निर्देश भी दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में बैकअप व्यवस्था तुरंत सक्रिय हो सके। डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि एम्बुलेंस सेवा को अब इस प्रकार संचालित किया जाएगा कि मरीज को सीधे उसी अस्पताल में पहुंचाया जाए, जहां संबंधित बीमारी के उपचार हेतु विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हों। इसके साथ ही आईपीएचएस मानकों के अनुरूप तकनीकी संवर्ग के अंतर्गत लैब टेक्नीशियन, एक्स-रे, ईसीजी टेक्नीशियन एवं ऑप्टोमेट्रिस्ट के पदों का पुनर्गठन किया जाएगा। उन्होंने सभी चिकित्सा इकाइयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति तथा चिकित्सकों की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पुणे नगर निगम चुनाव के मद्देनजर अजीत पवार, सुप्रिया ने साझा किया मंच, जारी किया संयुक्त घोषणा पत्र

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकंपा) के विभाजन के बाद पहली बार, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और राकांपा (एसपी) की नेता एवं सांसद सुप्रिया सुले ने नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान एक राजनीतिक मंच साझा किया।

पवार के नेतृत्व वाली राकंपा और शरद पवार के नेतृत्व वाली राकंपा (एसपी) ने पुणे नगर निगम चुनावों के लिए संयुक्त रूप से एक साझा घोषणापत्र जारी किया।

पवार और राकंपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने घोषणापत्र जारी करने के लिए एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर राकंपा (एसपी) के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे, जो अब तक प्रचार अभियान से काफी हद तक दूर रहे थे।

पवार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि घोषणापत्र पुणे के निवासियों के हितों से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित है। इस दस्तावेज में नल के पानी की आपूर्ति में सुधार, यातायात के दबाव से राहत, गड्ढा मुक्त सड़कें, बेहतर स्वच्छता, उन्नत स्वास्थ्य सेवायें, प्रदूषण नियंत्रण के उपाय और झुग्गीवासियों के पुनर्वास का वादा किया गया है।

राज्य स्तर पर विरोधी राजनीतिक गठबंधनों का हिस्सा होने के बावजूद, दोनों गुटों ने नगर निकाय चुनावों के लिए हाथ मिलाने का फैसला किया है। सत्ताधारी महायुति के घटक अजीत पवार के नेतृत्व

वाली राकंपा और विपमहा विकास अघाड़ी के सहयोगी राकंपा (एसपी) 15 जनवरी को होने वाले पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों के लिए साथ आये हैं।

पवार ने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सत्ता साझा करने के बावजूद, स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर निशाना साधा और उन पर दोनों सरकारों से पर्याप्त धन मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में विकास को पटरी से उतारने का आरोप लगाया। भाजपा 2017 से 2022 तक दोनों नागरिक निकायों में सत्ता में रही थी।

संयुक्त घोषणापत्र में शहर भर में 33 महत्वपूर्ण सडकों को ठीक करने, भीड़भाड़ कम करने, प्रमुख सड़कों को चौड़ा करने और समग्र यातायात प्रवाह में सुधार करने का संकल्प लिया गया है। इसमें बसों और मेट्रो सेवाओं में मुफ्त यात्रा का भी प्रस्ताव है। गठबंधन ने बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दो किलोमीटर के दायरे में अस्पताल स्थापित करने का वादा किया है।

इसके अलावा, पर्यावरण के अनुकूल कार्यक्रमों को अपनाने वाली 'हाउसिंग सोसायटियों' को संपत्ति कर पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी और उन्हें 'ग्रीन सोसाइटी' प्रमाणपत्र दिया जायेगा।

कांग्रेस ने लालढांग में निकाली न्याय यात्रा, पुतला फूंकने को लेकर धक्कामुक्की

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अंकिता भंडारी वीआईपी प्रकरण में सरकार की ओर से सीबीआई जांच की सिफारिश कर दिये जाने के बावजूद कांग्रेस का विरोध कम नहीं हो रहा है। कांग्रेस अभी भी धरना प्रदर्शन कर रही है। शनिवार को कांग्रेस ने हरिद्वार के लालढांग में अंकिता भंडारी न्याय यात्रा निकाली गई।

इस न्याय यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी शामिल हुए। क्षेत्र में पैदल न्याय यात्रा निकाले जाने के बाद गांव में एक जनसभा की गई जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा की बेटी को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस लगातार संघर्ष कर रही है ये आंदोलन श्रेय लेने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग कर रही थी। इसके

बिना सरकार की ओर से कराई जाने वाली सीबीआई जांच अधूरी ही रहेगी। वहीं विधायक अनुपमा रावत ने भी जज की निगरानी के बिना सीबीआई जांच को निरर्थक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही इस प्रकरण में अब तक की गई जांच पर सवाल उठा रही थी। जब तक न्याय नहीं मिलेगा उनका यह आंदोलन और संघर्ष जारी रहेगा। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुतले को लेकर हंगामा हुआ।

मुख्यमंत्री का पुतला जलाने जा रहे कांग्रेसियों को रोकने के लिए पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की। जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हो गई। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी वहां मौजूद रहे। धक्का मुक्की के बीच पुलिस ने बमुश्किल पुतला कांग्रेसियों के हाथों से छीन लिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुराली में आग लगाकर ही अपना विरोध जाहिर किया।

एक नजर

महिला से पड़ोसियों ने की अभद्रता, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने पड़ोसियों पर स्कूटी से टक्कर मारकर घायल करने की कोशिश, रास्ता रोकने, अभद्र व्यवहार और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आंबेडकर ज्वालापुर निवासी पलविन्दर कौर पत्नी राम सिंह ने पुलिस को बताया कि 26 नवंबर 2025 की शाम उसके पड़ोस में रहने वाले अभिमन्यु कुमार ने जानबूझकर स्कूटी से उसे टक्कर मारने की कोशिश की, जिससे उसे गंभीर चोट लग सकती थी। पीड़िता का कहना है कि उसने किसी तरह खुद को बचाया। इसी दौरान अभिमन्यु का भाई विवेक कुमार उसे क्रोधित नजरों से घूरता रहा, जो आए दिन उसके साथ इस तरह का व्यवहार करता है। महिला का आरोप है कि इससे पहले 19 नवंबर 2025 की रात को विवेक कुमार ने अपने मित्र के साथ मिलकर उसका रास्ता रोकने का प्रयास किया और आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए अभद्र व्यवहार किया। विरोध करने पर उसके माता-पिता राजेश कुमार और शारदा देवी ने भी गाली-गलौज की। पीड़िता का दावा है कि यह पूरी घटना उसके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। पुलिस को शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद मामला कोर्ट में पहुंचा। सीसीटीवी फुटेज और उसके बयानों के आधार पर अभिमन्यु कुमार, विवेक कुमार, राजेश कुमार और शारदा देवी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसकी पुष्टि कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने की है।

नबीन ने कनाट प्लेस में भगवान शंकर का किया दुग्ध अभिषेक, प्राचीन हनुमान मंदिर में की पूजा अर्चना

नयी दिल्ली। सोमनाथ मंदिर पर गजनी के हमले के 1000 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य देश भर में मनाये जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने शनिवार को यहां के कनाट प्लेस स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान शंकर का दुग्ध अभिषेक किया और फिर प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। नबीन के साथ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, सांसद बाँसुरी स्वराज, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री महेन्द्र पांडेय ने भी भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर भाजपा के नयी दिल्ली के अध्यक्ष रविन्द्र चौधरी और मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल भी उपस्थित रहे।

सचदेवा ने कहा पूरे देश में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है और आज भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भगवान शिव की आराधना की। उन्होंने कहा कि कहा सोमनाथ का मंदिर, जहां सागर भी भगवान शिव के चरण धोता है इस मंदिर की पुनः स्थापना हुई और उस मंदिर को लेकर हमारे पूरे समाज में विशेष आस्था भी है। यह पूरा 2026 वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा और बताया जाएगा कि किस तरह से बार-बार आक्रमण करने के बावजूद भी हमारी धार्मिक, हमारी सांस्कृतिक शक्ति जो है वो इतनी अमिट है, उसको कोई हाथ नहीं लगा सकता। '

वहीं, चौधरी ने कहा कि दिल्ली में हर स्थानीय मंदिर में आज सोमनाथ अभिमान पर्व के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और लगभग एक लाख कार्यकर्ताओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की।

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया। सन 1026 में से लेकर आज तक 1000 वर्षों की ये ऐसी गाथा है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और हमारी परंपरा को दर्शाती है। '

रस्साकसी नहीं, लालढांग में दिखी 'पुतलाकसी', पुलिस-कांग्रेस आमने-सामने

पथ प्रवाह, हरिद्वार

यूं तो रस्साकसी के मुकाबले आपने बहुत देखे होंगे। लेकिन हरिद्वार के लालढांग क्षेत्र में शनिवार को कांग्रेस और पुलिस के बीच पुतलाकसी देखने को मिली। कांग्रेस जब मुख्यमंत्री का पुतला जलाने को लेकर आगे बढ़ी तो पुलिस सामने आ गए। पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर जोर-आजमाइश हुई। पुलिस ने पुतले को अपने कब्जे में ले लिया। जिसके चलते कांग्रेस पुराली जलाकर ही अपने प्रदर्शन कर पाई।

आमतौर पर देखी जाने वाली रस्साकसी से इतर लालढांग में 'पुतलाकसी' का नजारा देखने को मिला। प्रदर्शन के दौरान जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री का पुतला जलाने के लिए आगे बढ़े, मौके पर तैनात पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से पुतला कब्जे में लेने का प्रयास किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुतले को लेकर कुछ देर तक खींचतान

का माहौल बना रहा, जिससे मौके पर तनाव बढ़ गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने संयम बरतते हुए बमुश्किल पुतला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हाथों से छीन लिया और उसे अपने कब्जे में ले लिया। पुतला हाथ से निकल जाने के बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश शांत नहीं हुआ। उन्होंने पुराली में आग लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी से स्थिति पर काबू पाया गया और किसी बड़ी अप्रिय घटना से बचाव हो सका। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय तक तनाव का माहौल बना रहा, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए।

अमेरिका की भू-आर्थिक धमकियों के बीच भारत-ईयू व्यापार वार्ता में कार्बन कर, कृषि सब्सिडी जैसे मुद्दों को सुलझाने का प्रयास तेज

नयी दिल्ली। भारत पर शुल्क और बढ़ाने तथा ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसी अमेरिका की धमकियों के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने आपस में मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत में कार्बन कर और कृषि सब्सिडी जैसे कुछ मुद्दों पर मतभेद दूर करने और समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के प्रयास तेज कर दिये हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोश शेफचोविच के साथ लंबी और गहन व्यापार वार्ता की। इन चर्चाओं में यूरोप के विवादास्पद कार्बन कर और कृषि सब्सिडी पर भारत की 'आपत्ति' जैसे कुछ संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं।

यहां वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने यूनीवार्ता को बताया, 'हमें भी यह समझौता चाहिए और उन्हें भी, क्योंकि दोनों पक्ष मजबूत बाजार की इच्छा रखते हैं, जो शुल्क की धमकियों से सुरक्षित हों। साथ ही, हम दोनों चीन पर बहुत अधिक निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्पों की ओर भी बढ़ना चाहते हैं। '

भारत और यूरोपीय संघ का प्रयास है कि एफटीए वार्ता गणतंत्र दिवस से पहे सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंच जाए। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा इस वर्ष गणतंत्र दिवास पर सरकार के अतिथि होंगे। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) में डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के पूर्व प्रमुख प्रो. बिस्वजीत धर ने कहा, 'जहां तक मेरी जानकारी है, हम बहुत करीब हैं-काफी करीब। यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) टैक्स (कार्बन कर) और

श्रमिकों की आवाजाही से जुड़ी भारत की मांगों पर समझौते के रास्ते निकल रहे हैं।' यूरोपीय संघ ने अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले उद्योगों के उत्पादों पर अपनी सीमा में विशेष कर लगाने का निर्णय किया है। यूरोपीय संघ के कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों में 'लीकेज' रोकने के उद्देश्य से लाया गया कार्बन भारत से पहुंचने वाले स्टील, एल्युमीनियम, सीमेंट और उर्वरकों जैसे कार्बन-गहन उत्पादों के आयात को वहां मंहगा कर सकता है। यह कर यूरोपीय उत्पादकों द्वारा ईयू के कार्बन उत्सर्जन प्रमाण-पत्र के व्यापार में चुकाए जाने वाले कार्बन मूल्य के अनुसार लगाया गया है।

भारत ने इस कर से प्रभावित होने वाले घरेलू स्टील और अन्य उत्पादकों के लिए, उनके द्वारा अर्जित कार्बन क्रेडिट के बदले राहत की मांग की है। सीबीएएम के कारण इन उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत तक वृद्धि होने की आशंका जताई जा रही है।भारतीय वार्ताकार इसमें पूर्ण छूट की मांग नहीं कर रहे हैं पर भारत व्यापार समझौते के तहत इसमें लचीलापन चाहता है, जिससे भारत के घरेलू कार्बन-उत्सर्जन कम करने के प्रयासों–जैसे क्षेत्र-विशेष शमन उपाय और 2026 से लागू होने वाली प्रस्तावित 'कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम' को मान्यता मिल सके। उन्होंने कहा, 'इस महीने गणतंत्र दिवस समारोह पर जब यूरोपीय संघ के नेता नयी दिल्ली में होंगे, उससे पहले दोनों पक्षों के व्यापार वार्ताकार कुछ ठोस परिणाम दिखाने की उम्मीद कर रहे हैं। '

अमेरिकी शुल्क और रणनीतिगत फैसलों के खतरे के अलावा, अन्य रणनीतिक पहलू भी इन वार्ताओं को नयी दिशा दे रहे हैं। महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में अपने 'क्रिटिकल रॉ मैटीरियल्स एक्ट' के तहत यूरोपीय संघ ने दुर्लभ खनिजों और अन्य रणनीतिक खनिजों की आपूर्ति में चीन पर निर्भरता कम करने के लिए भारत को एक प्रमुख संभावित साझेदार के रूप में चिह्नित किया है।

एक नजर

प्राकृतिक संसाधन पीरुल से आजीविका सृजन की दिशा में पहल, 21 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

पथ प्रवाह, पौड़ी। ओजस्विनी फाउंडेशन एवं जिला उद्योग केंद्र, कोटद्वार के संयुक्त तत्वावधान में सुखरो, कोटद्वार में 21 दिवसीय पीरुल क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पीरुल जैसे प्राकृतिक संसाधन का रचनात्मक उपयोग कर स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उद्योग केंद्र, कोटद्वार के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने पीरुल हस्तकला की उपयोगिता, इसके पर्यावरणीय महत्व तथा इससे जुड़ी रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। ओजस्विनी फाउंडेशन के चेयरमैन आर.पी. सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं मास्टर ट्रेनर सीमा ने पीरुल क्राफ्ट प्रशिक्षण से होने वाले लाभ, आजीविका के अवसरों एवं स्वरोजगार की संभावनाओं के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। प्रबंधक उपासना सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इस अवसर पर राजेन्द्र आर्य एवं सहायक प्रबंधक आकांक्षा उपस्थित रहे। साथ ही जनप्रतिनिधि कमल नेगी, महेश नेगी, प्रेमा खंतवाल एवं नीरूबाला खंतवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

धर्म नगरी को स्वच्छ और सुदंर बनाने में आगे बढ़ रहे कदम, बुलंद हो रहा स्वच्छता का नारा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, स्वच्छ एव सुंदर बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में यह अभियान चलते हुए एक माह 23 दिन हो गए हैं। सफाई अभियान का धरातल पर असर दिखने लगा है। बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि बीएचईएल क्षेत्रांतर्गत स्वर्ण जयंती पार्क गेट न.एक एवं सेक्टर 3 क्षेत्रांतर्गत भेल टाउनशिप प्रशासन विभाग द्वारा व्यापक साफ सफाई अभियान चलाया गया। प्रोजेक्ट मैनेजर एन एच ए आई अतुल शर्मा ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा आज रानीपुर क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग की सफाई अभियान चलाया गया तथा सड़क किनारे एकत्रित किए गए कुंडे को ट्रक के माध्यम से निस्तारण हेतु डम्पीग जोन भेजा गया। खंड विकास अधिकारी बहादराबाद ने अवगत कराया है कि विकास खंड बहादराबाद में अजीतपुर क्षेत्र में नाली सफाई एवं सफाई अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी रुड़की ने अवगत कराया है कि रुड़की में ग्राम पंचायत नन्हेडा अनन्तपुर क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई अभियान चलाया गया। जिला प्रशासन ने स्वच्छता अभियान के लिए अपील करते हुए कहा है कि गांव- गांव, घर- घर यह संदेश पहुंचाना है। जनपद को साफ स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता अभियान में सभी को मिलकर आगे आना है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के समापन सत्र को संबोधित करेंगे मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यहां भारत मंडपम में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के समापन सत्र में हिस्सा लेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री देश भर के लगभग 3,000 युवाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय 'डायस्पोरा' का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे। चुने हुए प्रतिभागी दस थीम वाले ट्रैक पर प्रधानमंत्री को अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख क्षेत्रों पर युवाओं के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण और कार्रवाई योग्य विचार साझा किए जाएंगे।

शाह रविवार को केरल भाजपा के विधानसभा चुनाव अभियान की करेंगे शुरूआत

तिरुवनंतपुरम। केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को केरल में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के चुनाव अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इस दौरान शाह कोडियार में स्थानीय निकाय चुनावों में जीते भाजपा प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे।

शाह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक सभा को भी संबोधित करेंगे एवं केरल के लिए भाजपा का राजनीतिक रोडमैप बताएंगे।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से सपना हुआ साकार, अयान बने सफल स्वरोजगार की मिसाल

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आत्मनिर्भर उत्तराखंड के विजन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखायी देने लगा है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के माध्यम से आम नागरिक अपने सपनों को साकार कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

इसी क्रम में विकासखण्ड दुगड्डा के अन्तर्गत पदमपुर निवासी 46 वर्षीय अयान मंसूरी ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर सफलता की प्रेरक कहानी लिखी है। आठवीं कक्षा तक शिक्षित अयान मंसूरी सात सदस्यीय परिवार का भरण-पोषण पहले मजदूरी करके करते थे, लेकिन स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने की प्रबल इच्छा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की जानकारी प्राप्त कर अयान मंसूरी ने रजाई एवं गद्दा निर्माण को अपने व्यवसाय के रूप में चुना। जिला उद्योग केन्द्र द्वारा उन्हें पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा आवश्यक दस्तावेजों के संकलन में सहयोग किया गया। वर्ष 2024-

25 में सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोटद्वार के माध्यम से 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत होने के पश्चात अयान मंसूरी ने अपना व्यवसाय प्रारम्भ किया। आज उनका उद्यम न केवल सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है, बल्कि इसके माध्यम से तीन अन्य स्थानीय लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में अयान मंसूरी के व्यवसाय का मासिक टर्नओवर लगभग 3 लाख रुपये है तथा वे प्रतिमाह 25,000 से 30,000 रुपये तक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं। अयान मंसूरी का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गयी मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है और आज वे सम्मानपूर्वक अपने परिवार का जीवनयापन कर पा रहे हैं।

जिला उद्योग केन्द्र की प्रबंधक उपासना सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को स्वरोजगार के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि अयान मंसूरी जैसे लाभार्थियों की सफलता इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाती है। जिला उद्योग केन्द्र द्वारा योजना के तहत आवेदन से लेकर ऋण स्वीकृति एवं व्यवसाय प्रारम्भ होने तक निरन्तर मार्गदर्शन एवं सहयोग दिया जाता है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ लेकर अपने उद्यम स्थापित कर सकें। अयान मंसूरी की यह सफलता सरकार की स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता पर केन्द्रित नीतियों की प्रभावशीलता को दर्शाती है तथा प्रदेश के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

कण्डोलिया इण्डोर स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट के सुदृढ़ीकरण के लिए 34.94 लाख स्वीकृत

पथ प्रवाह, पौड़ी।

कण्डोलिया स्थित इण्डोर स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट में फ्लोरिंग एवं कोर्ट मैट लगाए जाने के कार्य के लिए 34.94 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी गयी है। स्वीकृति के उपरांत लोक निर्माण विभाग द्वारा कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

जिला खेल अधिकारी जयबीर रावत ने बताया कि कण्डोलिया स्थित इण्डोर स्टेडियम में उपलब्ध बैडमिंटन कोर्ट की फ्लोरिंग एवं खेल सतह लंबे समय से उपयोग में रहने के कारण क्षतिग्रस्त हो गयी थी, जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं के दौरान असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। खेल सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही थी।

स्थानीय खिलाड़ियों, खेल संगठनों तथा युवाओं द्वारा बेहतर इण्डोर खेल सुविधाओं की मांग को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने स्वयं स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत उनके निर्देशन में तकनीकी परीक्षण एवं विभागीय मूल्यांकन के आधार पर बैडमिंटन कोर्ट में आधुनिक फ्लोरिंग एवं कोर्ट मैट लगाए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा 34.94 लाख रुपये की धनराशि

स्वीकृत होने के पश्चात कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि कण्डोलिया स्थित इण्डोर स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट की फ्लोरिंग एवं कोर्ट मैट का कार्य स्वीकृत धनराशि के साथ प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान में पुरानी फ्लोरिंग का विखंडन कार्य प्रगति पर है, जिसे पूर्ण करने के पश्चात आधुनिक, शॉक-एब्ज़ॉर्बिंग फ्लोरिंग एवं मानक कोर्ट मैट की स्थापना चरणबद्ध ढंग से की जाएगी। इस कार्य का उद्देश्य खिलाड़ियों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रतिस्पर्धात्मक अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि जनपद के युवा राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। उन्होंने बताया कि इस कार्य के पूर्ण होने से इण्डोर स्टेडियम में खेल सुविधाओं का स्तर बेहतर होगा तथा स्थानीय खिलाड़ियों एवं युवाओं को आधुनिक एवं सुरक्षित प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अधिशासी अभियंता लोनिवि प्रांतीय खंड विवेक सेमवाल ने बताया कि बैडमिंटन कोर्ट के सुदृढ़ीकरण का कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों एवं गुणवत्ता नियंत्रण के अनुरूप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्य के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को सुरक्षित, टिकाऊ एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल सतह उपलब्ध हो सके।

बहुउद्देशीय शिविर में 32 शिकायतें दर्ज, 146 लाभार्थियों को मिला योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड एकेश्वर की न्याय पंचायत काण्डई में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 32 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से मौके पर 10 का निस्तारण किया गया। इसके साथ ही विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत 146 पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर की अध्यक्षता पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की इस पहल पर लोगों की समस्याओं को उनके द्वार पर सुनना और उनका समय पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बहुउद्देशीय शिविर ग्रामीण जनता को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने का एक कारगर माध्यम हैं। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। नोडल अधिकारी शिविर

एवं मत्स्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि कुल 32 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें अधिकांश का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं विभिन्न विभागों द्वारा 146 पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, कृषि, उद्यान, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन विभाग, राजस्व विभाग, बाल विकास विभाग सहित कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। ग्रामीणों ने इन स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर मत्स्य निरीक्षण पुरुषोत्तम गुसाईं, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अशोक नैनवाल, जेई आरडब्ल्यूडी विनोद नेगी, जेई लघु सिंचाई सुमित सिंह, पूर्ति निरीक्षक दिग्विजय राणा सहित अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आद्य जगद्गुरू रामानन्दाचार्य महाराज की जयंती पर हरिद्वार में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भव्य शोभायात्रा के साथ गूंजा भक्ति-समरसता का संदेश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आद्य जगदुरू रामानन्दाचार्य महाराज की 726वीं जयंती के पावन अवसर पर रामानन्दीय वैष्णव मण्डल के संयोजन में हरिद्वार में भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। श्रवणनाथ नगर स्थित गुरु सेवक निवास उछाली आश्रम से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्रवणनाथ नगर स्थित रामानन्द आश्रम आचार्य महापीठ पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान नगर का वातावरण भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर दिखाई दिया।

शोभायात्रा का शुभारंभ पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव महंत रविंद्रपुरी महाराज, महंत राजेश्वर शरण महाराज देवाचार्य, महंत राधानाथ दास महाराज कठिया बाबा एवं महंत विष्णुदास महाराज द्वारा नारियल फोड़कर विधिवत रूप से किया गया। यात्रा में देश के सभी तेरह अखाड़ों के संत-महापुरुषों की गरिमामयी उपस्थिति रही, वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने भी सहभागिता कर आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि भारत के संतों, मनीषियों और महापुरुषों ने समाज को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आद्य जगदुरू रामानन्दाचार्य महाराज ने भक्ति की धारा को जन-जन तक पहुंचाते हुए सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रबोध की अलख जगाई। महंत विष्णुदास महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जगदुरू रामानन्दाचार्य महाराज सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर भक्ति, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से महाराज की शिक्षाओं को आत्मसात कर मानव कल्याण के कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बाबा हठयोगी एवं महंत रघुवीर दास महाराज ने कहा कि आद्य जगदुरू रामानन्दाचार्य महाराज का संदेश था– 'भक्ति में ही शक्ति है और सेवा ही सच्ची साधना है।' उन्होंने पूरे देश का भ्रमण कर जनजागरण किया, कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और समाज में समरसता का वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम में महंत राजेश्वर शरण महाराज देवाचार्य, महंत राधानाथ दास कठिया बाबा, महंत जसविन्दर सिंह, महंत जयेंद्र मुनि, महंत रघुवीर दास, स्वामी चिदविलासानंद, महंत सूर्यांश मुनि, महंत अरुण दास, महंत नारायण दास पटवारी, महंत प्रह्लाद दास, महंत दुर्गादास, महंत राजेंद्र दास, महंत प्रेमदास, महंत जयराम दास, महंत गणेश दास, महंत कैलाश मुनि सहित बड़ी संख्या में संत-महापुरुष एवं श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

एक नजर

योगी ने संगम में लगायी आस्था की डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में लगे माघ मेले में संगम पर स्नान किया और मां गंगा की पूजा अर्चना की। उन्होंने तीन बार आस्था की डुबकी लगाई और बाद में संगम नोज के पास सतुआ बाबा के साथ नौका की सवारी भी की। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और नंद गोपाल नंदी ने भी संगम में स्नान किया।

अमेरिका ईरान में कर सकता है हस्तक्षेप, मगर फौजें जमीन पर नहीं उतारेगा : ट्रम्प

वॉशिंगटन, 10 जनवरी (वार्ता) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा। ईरान की स्थिति पर संवाददाताओं से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा।

बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष से मुलाकात की

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय कुमार वर्मा ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच आपसी संबंध और सहयोग के मुद्दे पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इनमें से दो हत्याएं बीते 24 घंटे में अंजाम दी गई हैं। हैरान करने वाली बात है कि इन हत्याओं के बावजूद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है।

दिल्ली में सर्दी का सितम जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में सर्दी की सितम जारी है। शनिवार को ठंड ने एक बार फिर रिकॉर्ड तोड़ा, जब न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री पहुंच गया। यह बीते 15 साल में दस जनवरी की सबसे ठंडी सुबह रही। इससे पहले शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री रहा था। 2011 से अब तक दस जनवरी को इतना कम न्यूनतम तापमान नहीं रहा है। यही नहीं, 9 जनवरी 2025 में पारा 4.8 डिग्री दर्ज किया गया था। शनिवार सुबह की शुरूआत कोहरे व धुंध के बीच हुई। इससे दृश्यता भी कम रही। दोपहर आते-आते सूर्यदेव ने दर्शन दिए, इससे लोगों को कुछ राहत मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री कम के साथ 20.2 रहा। इसके अलावा, न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री दर्ज हुआ। यह सामान्य से 2.7 डिग्री कम रहा। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 44 प्रतिशत रही।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर चीलों को विमानों के रास्ते से दूर रखने के लिए चिकन मीट खिलाया जाएगा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर होने वाले एयर शो को सुरक्षित बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने एक खास योजना बनाई है। इस योजना के तहत आसमान में उड़ने वाली काली चीलों को विमानों के रास्ते से दूर रखने के लिए उन्हें चिकन मीट खिलाया जाएगा। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल करीब 1,275 किलो बिना हड्डी वाला चिकन मीट इस्तेमाल किया जाएगा।

यह काम भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर हर साल किया जाता है, ताकि कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों से पक्षियों के टकराने का खतरा न रहे।

पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स यूरोपीय संघ के साथ की उच्चस्तरीय व्यापार समझौता वार्ता

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ब्रुसेल्स में दो दिन की बातचीत एक आधुनिक, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता शीघ्र संपन्न करने पर दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दृढ़ संकल्प व्यक्त करने के साथ सम्पन्न हुई है। वाणिज्य मंत्री आठ-नौ जनवरी को एफटीए वार्ताओं के लिए ब्रुसेल्स में थे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में गोयल की इस यात्रा समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आठ-नौ जनवरी की इस यात्रा के दौरान गोयल ने ईयू के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविच के साथ कई बार बाचतीत की और दोनों नेताओं ने वार्ता टीमों को लंबित मुद्दों को हल करने और समझौते को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा है कि वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा के साथ दोनों पक्षों के बीच ब्रुसेल्स में एक सप्ताह तक चला गहन राजनयिक और तकनीकी बैठकों का दौर पूरा हुआ। यह बातचीत भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित व्यापक एफटीए को साकार करने के लिए दोनों पक्षों के राजनीतिक संकल्प को रेखांकित करता है। गोयल और शेफकोविच के बीच मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग

की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के बीच 6-7 जनवरी को उच्च स्तरीय चर्चाएँ हुईं विभिन्न मुद्दों पर व्यापार वार्ताओं में हुई प्रगति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने मतभेदों को कम करने और लंबित मुद्दों पर स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए काम किया, जिससे मंत्रिस्तरीय वार्ता का मार्ग प्रशस्त हुआ। विज्ञप्ति में कहा गया है कि गोयल और शेफकोविच ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने वस्तुओं के लिए बाजार में प्रवेश, माल की उत्पत्ति के नियम, सेवाओं आदि सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति पर गौर किया। दोनों पक्षों ने एक निष्पक्ष, संतुलित और महत्वाकांसमझौते को अंतिम रूप देने के रणनीतिक महत्व पर बल दिया जो उनके साझा मूल्यों, आर्थिक प्राथमिकताओं और नियम-आधारित व्यापार ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हो।

ममता दीदी, आपकी झूठ, लूट और तुष्टिकरण की राजनीति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती: बाबूलाल मरांडी

रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा कोलकाता में ईडी की जांच के दौरान ममता दीदी के रवैए पर सवाल उठाया है। मरांडी ने आज कहा कि भ्रष्टाचार और काले कारनामे उजागर होने की हताशा में मुख्यमंत्री पद पर आसीन लोगों द्वारा जांच एजेंसियों के कार्यों में बाधा डालना एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत है।

कोलकाता में एक निजी कंसल्टेंसी पर छापेमारी के दौरान हुई घटना ञ्चममताऑफिसियल की बौखलाहट को उजागर करता है। ईडी की जांच के दौरान ममता दीदी का रवैया मुख्यमंत्री पद की गरिमा के विपरीत रहा, जिसने संवैधानिक मर्यादाओं को तार-तार किया है। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से संयम,

सहयोग और कानून के प्रति सम्मान की अपेक्षा होती है, न कि दबाव और अवरोध के राजनीति की...

झारखंड में भी इसी तरह का षड्यंत्र रचा गया था। जांच एजेंसियों के अधिकारियों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए, हथियारबंद भीड़ इकट्ठा कर डराने का प्रयास हुआ और सबूत नष्ट करने की कोशिश की गई। लेकिन अंततः कानून के तहत हेमंत सोरेन जी को जेल जाना पड़ा था। कानून और न्याय का सिद्धांत यही कहता है कि आपराधिक आरोप लगने के बाद जांच में सहयोग करना ही आदर्श स्थिति होती है। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस आचरण की अपेक्षा और भी अधिक होती है। ममता दीदी, आपकी झूठ, लूट और तुष्टिकरण की राजनीति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। काले धन और घुसपैठियों के वोट के सहारे लोकतंत्र को प्रभावित नहीं किया जा सकता। बंगाल की जनता आपके कुशासन से त्रस्त हो चुकी है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com